UUCMS. No. | | | | | | | | | | |

B.M.S COLLEGE FOR WOMEN

BENGALURU – 560004

I SEMESTER END EXAMINATION – JAN/FEB 2024

B.Com - Hindi - GADYA BHANDAR AUR VYAKARAN
(NEP Scheme 2021-22 onwards F+R)

Course Code: COM1AECHIN01 **QP Code: 1113**
Duration: 2 ½ Hours **Max. Marks: 60**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। (10X1=10)

1. प्राचीन भारत में संस्कृति के साथ अधिकतर किसकी प्रगति एक साथ होती है ?
2. "संस्कृति है क्या" निबंध के निबंधकार कौन है?
3. गौरा के पति का नाम लिखिए।
4. गमले के पास कौवें किसको नोच रहे थे ?
5. सलीम अली के जीवन साथी और सहपाठी कौन थी ?
6. बांकेलाल की दशा देखकर किसकी भीड़ जम गई ?
7. होमीयोपथि इलाज में किसका विश्वास बढ़ता जा रहा था ?
8. गांधी जी के अनुसार कौसानी किसका आभास कराता है ?
9. गिरगिट सबसे पहले किस रूप में बदला ?
10. लड़के गुलेल से किसको निशाना बना रहे थे ?

II. निम्नलिखित अवतारणो में से किन्ही दो का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2X7=14)

1. “इसी कपड़े की बदौलत हम गुलाम बने, यह गुलामी का दाग़ मैं अब नहीं रख सकता।”
2. “यह काकभुशुंडि भी विचित्र पक्षी है- एक साथ समादरित, अनादरित, अति सम्मानित अति अवमानित।”
3. “कितना अच्छा होता वह सांप न बनकर नेवला बन गया होता !”

III. "बीमार का इलाज" एकांकी का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा **(1X16=16)**

"संस्कृति क्या है?" निबंध के आधार पर भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का मूल्यांकन कीजिए।

BMSCW LIBRARY

IV. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> का उत्तर लिखिए। (2X5=10)

1. सरल एवं संयुक्त वाक्य विश्लेषण की परिभाषा देते हुए सोदाहरण समझाइए।

2. अधोलिखित मुहावरों का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए ।

a. अपना मुंह लेकर रह जाना ।
b. आँख में खटकना ।
c. आटे दाल की फिक्र होना ।
d. अंग अंग खिल उठाना ।
e. अपनी खिचड़ी अलग पकाना ।

3. निम्नलिखित लोकोक्तियां का अर्थ लिखिए ।

a. जिसे पिया चाहे वही सुहागन ।
b. जी कहो जी कहलाओ ।
c. जैसा मुंह वैसा तमाचा ।
d. सुखी तलैय्या में मेंढक करय टर-टर ।
e. जैसा कन भर वैसा मन भर ।

V. निम्नलिखित गद्यांश में उचित स्थान पर विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए। (10)

एक दिन की बात है साहूकार के दरवाजे पर एक फटेहाल भिखारी आ गया साहूकार ऊंची आवाज में बोला चलो चलो आगे बढ़ो मेरे पास कुछ नहीं है वह भिखारी घूम कर पिछवाड़े की ओर आ गया वहाँ एक गरीब दादी रहती थी उसको इस पर दया आ गई घर में जो खाना बना हुआ रखा था वह उसने भिखारी को दे दिया विदा होने से पहले भिखारी दादी की हथेली पर एक दमड़ी रखते हुए बोला मां तुम इससे अपने पोते के लिए मुरमुरे खरीद लेना दादी ने उस दमड़ी को अपनी संदूकची में रख दिया वह सोच में थी कि आज अपने पोते को क्या खिलाएगी तभी उसका पोता खेत से आया वह भूखा था दादी ने पोते को सारी बात बताई और कहा संदूकची में से दमड़ी लेकर कुछ खरीद ला जैसे ही पोते ने संदूकची खोली सोने की चमक से सारी झोपड़ी जगमगा उठी

*****

BMSCW LIBRARY